



RAJASTHAN - CET

सामान्य पात्रता परीक्षा

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

भाग - 2

भारत का सामान्य ज्ञान

RAJASTHAN – (CET)

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
भारत का भूगोल		
1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू-भाग	4
3.	भारतीय मानसून	10
4.	भारत का अपवाह तंत्र	20
5.	जैव विविधता	26
6.	भारत की मिट्टी मृदा	32
7.	जलवायु	33
8.	भारत में खनिजों का वितरण	34
9.	भारत के प्रमुख उद्योग	37
10.	परिवहन	40
11.	कृषि	44
आधुनिक भारत का इतिहास		
1.	भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	47
2.	मराठा शक्ति का उत्कर्ष	50
3.	अंग्रेजों की भू-राजस्व पद्धतियाँ	52
4.	गवर्नर व वायसराय	54
5.	1857 की क्रान्ति	59
6.	प्रमुख आन्दोलन	60
7.	कांग्रेस अधिवेशन	64
8.	भारतीय क्रांतिकारी संगठन	75
9.	स्वातंत्र्योत्तर सुदृढीकरण और पुनर्गठन	77
10.	नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण, विज्ञान एवं तकनीकी का विकास	84
भारतीय संविधान		
1.	संविधान का विकास	87
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	88
3.	संविधान के भाग	90
4.	अनुसूचियाँ	102

5.	प्रस्तावना	103
6.	संघ	104
7.	संसदीय समितिया	113
8.	न्यायपालिका	114
9.	राज्य	116
10.	आपतकालीन उपबंध	119
11.	जनहित याचिका	122
12.	संविधान संशोधन	124
13.	भारतीय राजव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य	128
14.	प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद	135
15.	भारत निर्वाचन आयोग	141
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	143
17.	केन्द्रीय सूचना आयोग	146
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	148
19.	लोकपाल और लोकायुक्त	151
20.	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	153
भारतीय अर्थव्यवस्था		
1.	राष्ट्रीय आय	172
2.	लोक वित्त	176
3.	बजट निर्माण	179
4.	भारत में कर सुधार	183
5.	भारत में बैंकिंग	193
6.	मौद्रिक नीति	206
7.	ई-कॉमर्स	210
8.	आर्थिक सुधार	212
9.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	217
10.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	226
11.	समाजिक न्याय एवं अधिकारिता	228

भारतीय भूगोल (Indian Geography)

भारत का विस्तार

- भारत एक विशाल देश है। इसकी विशालता के कारण इसे उपमहाद्वीप की संज्ञा दी गई है यह विश्व का एकमात्र देश है जिसका नाम हिन्द महासागर से जुड़ा हुआ है।
- भारत की स्थिति उत्तरी गोलार्द्ध एवं पूर्वी देशांतर के मध्य में स्थित है।
- भारत की शक्ति यतुष्कोणीय है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार $8^{\circ}4'$ से $37^{\circ}6'$ उत्तरी गोलार्द्ध में है।
- अक्षांश की दृष्टि से भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध तथा देशान्तर की दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध के मध्य में है।
- देशांतरीय विस्तार $68^{\circ}7'$ से $97^{\circ}25'$ पूर्वी देशांतर में स्थित है।
- भारत का विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां एवं जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एन.ए
चतुर्थ	यू. एन. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	ब्राजील
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
सप्तम	भारत	नाइजीरिया
अष्टम	अर्जेंटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,245
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,43,286
5.	झारखण्ड	1,60,205

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जो कि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.43% है।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% हिस्सा निवास करता है।
- उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है और पूर्व से पश्चिम में विस्तार 2933 किमी है।
- भारत का सबसे पूर्वी बिंदु अरुणाचल प्रदेश में वलांगु (किबिथु) है।
- सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात में गोरमाता तक्रिय (कच्छ जिला) में है।
- सबसे उत्तरी बिंदु इन्द्रा कॉल है, जो कि केन्द्र शासित प्रदेश लेह में स्थित है।
- सबसे दक्षिणतम बिंदु इन्दिरा पॉइंट है, इन्दिरा पॉइंट को पहले पिग्मेलियन पॉइंट और पार्सल पॉइंट के नाम से जाना जाता था इन्दिरा पॉइंट ब्रेट निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसकी भूमध्य रेखा से दूरी 876 किमी है।
- प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी भाग तमिलनाडु में केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) में स्थित है।
- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15200 किमी है।
- तटीय भाग की लम्बाई है 7516 किमी (द्वीप समूह मिलाकर)। केवल भारतीय प्रायद्वीप की तटीय सीमा 6100 किमी है।
- इस प्रकार की कुल सीमा $15200 + 7516.6 = 22716.6$ किमी. लम्बी है।
- भारतीय मानक समय रेखा $82^{\circ}30'$ पूर्वी देशांतर पर है। मानक समय रेखा 5 राज्यों से होकर गुजरती है।
- देश का मानक समय $82\frac{10}{2}$ पूर्वी देशान्तर है जो नैनी (इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश) से गुजरता है।
 - उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर)
 - छत्तीसगढ़
 - मध्य प्रदेश
 - आंध्र प्रदेश
 - ओडिशा
- भारतीय मानक समय और ग्रीनविच समय के बीच अंतर 5.30 घण्टे का है। भारतीय समय ग्रीनविच समय से आगे चलता है।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 9 राज्यों से सीमा बनाता है।
 - उत्तराखण्ड
 - हरियाणा
 - दिल्ली
 - हिमाचल प्रदेश
 - राजस्थान
 - मध्य प्रदेश

- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- बिहार

- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल
- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- ओडिशा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़

- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मारिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं पड़ोसी देश

- भारत की कुल 15200 किमी सीमा रेखा 92 जिलों और 17 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- भारत की तटीय सीमा 7516 किमी है जो कि 9 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है। केवल प्रायद्वीप भारत की तटीय सीमा रेखा 6100 किमी है ।
- भारत के मात्र 5 राज्य ऐसे हैं जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा और तट रेखा को स्पर्श नहीं करते हैं -
 - हरियाणा
 - मध्य प्रदेश
 - झारखण्ड
 - छत्तीसगढ़
 - तेलंगाना
- भारतीय राज्यों में गुजरात की तट रेखा सर्वाधिक लंबी है। इसके बाद आंध्र प्रदेश की तट रेखा है ।
- भारत की सबसे छोटी तटरेखा गोवा राज्य की है ।
- त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है ।
- भारत के 7 पड़ोसी देश भारत की थल सीमा को स्पर्श करते हैं -
 - पाकिस्तान - 3323 किमी
 - चीन - 3488 किमी
 - नेपाल - 1751 किमी
 - बांग्लादेश - 4096.7 किमी
 - भूटान - 699 किमी
 - म्यांमार - 1643 किमी
 - अफगानिस्तान - 106 किमी (POK)

- भारत की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है।
- भारत सबसे छोटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा अफगानिस्तान के साथ साझा करता है जो कि केवल 80 किमी है।
- भारत के 2 पड़ोसी देश जो भारत की तटीय सीमा के साथ जुड़े हुए हैं
 1. श्रीलंका
 2. मालदीव
- ऐसे देश जो थल एवं जल दोनों सीमा बनाते हैं
 - पाकिस्तान
 - बांग्लादेश
 - म्यांमार
- पाकिस्तान के साथ भारत के 3 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं -

राज्य

1. पंजाब
2. राजस्थान
3. गुजरात

केन्द्र शासित प्रदेश

1. जम्मू कश्मीर
 2. लेह
- चीन के साथ भारत के 4 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते हैं -

राज्य

1. हिमाचल प्रदेश
2. उत्तराखण्ड
3. सिक्किम
4. अरुणाचल प्रदेश

केन्द्र शासित प्रदेश

1. जम्मू कश्मीर
 2. लेह
- नेपाल के साथ भारत के 5 राज्य सीमा साझा करते हैं -
 1. उत्तराखण्ड
 2. उत्तर प्रदेश
 3. बिहार
 4. सिक्किम
 5. पश्चिम बंगाल
 - भूटान के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं

1. पश्चिम बंगाल
2. सिक्किम
3. अरुणाचल प्रदेश
4. असम

- म्यांमार के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं -
 1. अरुणाचल प्रदेश
 2. नागालैण्ड
 3. मणिपुर
 4. मिजोरम

अफगानिस्तान के साथ भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश सीमा बनाता है - (केवल 80 किमी POK)

- लद्दाख
- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी श्रीलंका को भारत से अलग करती है। पाक जलडमरूमध्य को पाक जल शंघि के नाम से भी जाना जाता है।
- मेकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच में स्थित है। यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी।
- डूण्ड रेखा 1893 में सर डूण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूण्ड रेखा स्थापित की गई थी। परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है। रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था।

सीमावर्ती सागर :-

- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आघार रेखा से 12nm तक स्थित है।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है।

1. संलग्न सागर :-

- संलग्न सागर क्षेत्र आघार रेखा से 24nm तक स्थित है।
- इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है।

2. अनन्य आर्थिक क्षेत्र :-

- अनन्य आर्थिक क्षेत्र आघार रेखा से 200nm तक स्थित है।
- इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है।
- उच्च सागर यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है।

भारत में विदेशी क्षेत्रों का समावेश

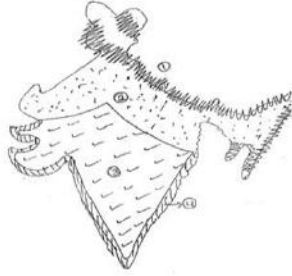
15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद फ्रांस एवं पुर्तगाल के अधीन कई क्षेत्रों का भारत में विलय हुआ है जो निम्न प्रकार से हैं।

भारत के भौगोलिक भू-भाग

(NCERT के अनुसार 6 प्रकार के हैं।)

भारत के भौगोलिक भू-भाग:-

1. हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तरी मैदान क्षेत्र
3. प्रायद्वीप पठार क्षेत्र
4. तटीय मैदान क्षेत्र
5. द्वीप समूह क्षेत्र



1. हिमालय पर्वतीय प्रदेश

- हिमालय का विस्तार भारत के उत्तर से उत्तर-पश्चिम (शिन्धु) से दक्षिण-पूर्व (ब्रह्मपुत्र) तक की ओर है। पूर्व-पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2400 किमी. है। इसकी चौड़ाई कश्मीर में 400 किमी. तथा अरुणाचल में 150 किमी. है।
- प्लेट विवर्तनी सिद्धान्त के अनुसार इंडियन एवं यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- इंडियन प्लेट टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- यह पर्वत तंत्र विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत तंत्र है, इसलिए इस तंत्र में बहुत से अल्पाइन हिमनद भी पाये जाते हैं।
- इस पर्वतीय प्रदेश को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है:-

A. ट्रांस/तिब्बत हिमालय :-

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का सबसे उत्तरी भाग ट्रांस हिमालय कहलाता है।

- यह मुख्य रूप से 'जम्मू-कश्मीर' व 'तिब्बत' में स्थित है।
- इस भाग में तीन प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती हैं:-
 - (i) काराकोरम श्रेणी:-
 - (ii) लद्दाख श्रेणी:-
 - (iii) जारकर श्रेणी:-

(ii) काराकोरम श्रेणी :-

- ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी काराकोरम में स्थित है।

- ट्रांस हिमालय की सबसे लम्बी व ऊँची श्रेणी है।
- ट्रांस हिमालय में पंजाब संकीर्ण से उत्तर में क्रमशः कैलाश जारकर लद्दाख एवं काराकोरम श्रेणी स्थित है।
- हिम्ज लाइन या शुचर जोन हाउस एवं वृहत् हिमालय को अलग करती है।
- स्वेन हैडन ने काराकोरम श्रेणी को उच्च एशिया कि शीट कहा है।
- 'माउण्ट गोडविन श्रॉरिन्ग' इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है, जो भारत की सबसे ऊँची तथा विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है। (8611 किमी.)

(ii) लद्दाख श्रेणी

- काराकोरम श्रेणी के दक्षिण में स्थित।
- तिब्बत में इस श्रेणी का विस्तार 'कैलाश पर्वत' के नाम से जाना जाता है।
- शकापोशी (लद्दाख - श्रृंखला का सर्वोच्च शिखर) विश्व की सबसे बड़ी ढल वाली चोटी है।

(iii) जारकर श्रेणी:-

- ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी।
- जारकर तथा लद्दाख श्रेणी के मध्य शिन्धु घाटी स्थित है।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पठार पर शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती हैं, इसलिए यह एक 'ठण्डे मरुस्थल' का उदाहरण है।

B. मुख्य हिमालय:-

- यह पर्वतीय प्रदेश का दूसरा प्रमुख भाग है।
- यह भाग शिन्धु नदी घाटी से ब्रह्मपुत्र नदी घाटी तक स्थित है।
- यह लगभग 2500 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- इस श्रेणी में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848 मी.) स्थित है।
- माउण्ट एवरेस्ट नेपाल-चीन सीमा पर स्थित है।
- इसे नेपाल में शगरमाथा कहते हैं (माउण्ट एवरेस्ट को)
- जोजिला दर्रे का निर्माण शिन्धु नदी द्वारा शिपकीला का निर्माण सतलज नदी के द्वारा एवं जैलोजा का निर्माण तिस्ता नदी द्वारा हुआ है।
- बुर्जिल दर्रे श्रीनगर से गिलगिट को एवं शिपकीला दर्रे शिमला को तिब्बत से जोड़ता है।
- इस पर्वत पर बहुत से प्रमुख हिमनद स्थित हैं।
e.g.- गंगोत्री, यमुनोत्री, सतोपंथ, पिंडारी, मिलान

C. मध्य हिमालय (Middle Himalaya):-

- इसे हिमाचल हिमालय या लघु हिमालय भी कहते हैं
- यह श्रेणी 2400 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- इसकी औसत चौड़ाई 80 से 100 किमी. है।
- मध्य हिमालय तथा वृहत हिमालय के बीच बहुत सी घाटियाँ स्थित हैं:-
 - कश्मीर घाटी = वृहत हिमालय - पीर पंजाल
 - कुल्चू घाटी = वृहत हिमालय - धौलाधार
 - कांगडा घाटी (HP) = वृहत हिमालय - मसूरी
 - काठमांडू घाटी = वृहत हिमालय - महाभारत
- इस श्रेणी पर ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान पाए जाते हैं जिन्हें जम्मू कश्मीर में 'मर्ग' तथा उत्तराखण्ड में 'बुग्याल, पयाला' कहा जाता है।
- इस श्रेणी क्षेत्र में बहुत से पर्यटन स्थल पाए जाते हैं e.g. कुल्चू, नंदा देवी, मनाली, नैनीताल, मसूरी etc.
- इस श्रेणी में कुछ प्रमुख दर्रे पाए जाते हैं :-
 1. पीरपंजाल दर्रा :- यह दर्रा श्रीनगर को POK से जोड़ता है। इसका विस्तार पंजाब के पोतवार बेसिन से कोशी नदी तक है।

नदी घाटी के आधार पर हिमालय

सीडनी के बुरार्ड नामक भू-वैज्ञानिक ने हिमालय को चार भागों में वर्गीकृत किया है।

क्र.सं.	हिमालय	नदी का विस्तार	दूरी (किमी.में)	पर्वत श्रेणियाँ
1.	पंजाब हिमालय	शिंघु से शतलज	560	जास्पद, लद्दाख, त्रिशूल, पिरपंजाल
2.	कुमाऊ हिमालय	शतलज से काली	320	बद्रीनाथ, त्रिशूल, नंदा
3.	नेपाल हिमालय	काली से तिस्ता	800	अन्नपूर्णा, धौलागिरी
4.	अरुण हिमालय	तिस्ता से दिहांग	720	कुलागाडी, जांग, मगना

2. बनिहाल दर्रा:- श्रीनगर को जम्मू से जोड़ता है, NH-1A इस दर्रे से गुजरता है। इस दर्रे में जवाहर सुरंग स्थित है।

D. शिवालिक/उप हिमालय -

- शिवालिक श्रेणी की ऊँचाई 900-1200 मी. के बीच पाई जाती है।
- धार के रेगिस्तान में पाए जाने वाली बालू के स्थानान्तरित टीलों को स्थानीय भाषा में घोरा कहा जाता है।
- इसकी चौड़ाई 10-50 किमी. है।

- शिवालिक को विभिन्न स्थानीय नामों से जाना जाता है:-
 - जम्मू और कश्मीर - जम्मू हिल्स
 - उत्तराखण्ड - दूढ़वा/धांग
 - नेपाल - चूडियाघाट
 - दाफला
 - मिरी
 - अंबोर
 - मरुमी
- इन घाटियों को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 'दून' तथा पूर्वी हिमालय क्षेत्र में 'द्वार' कहते हैं।

e.g.- देहरादून, कोटलीदून, पाटलीदून, हरिद्वार, निहांगद्वार etc.

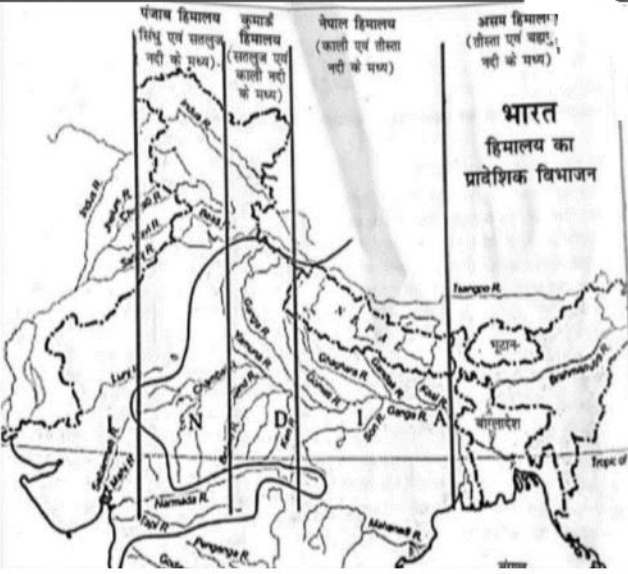
चोरा (Chos):-

- हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में स्थित शिवालिक श्रेणी क्षेत्र में मानसून के दौरान अस्थायी धाराओं का निर्माण होता है, जिन्हें स्थानीय भाषा में चोरा कहते हैं।
- यह धाराएँ शिवालिक को विभिन्न भागों में विभाजित कर देती हैं।

E. पूर्वांचल (Purvanchal):-

- उत्तर-पूर्वी राज्यों में उत्तर से दक्षिण की ओर विस्तृत पहाड़ियों को पूर्वांचल कहते हैं।
- पूर्वांचल का निर्माण इण्डो-ऑस्ट्रेलियन तथा बर्मा प्लेट के अभिसरण से हुआ है।
- यह बालू पत्थर से निर्मित पहाड़ियाँ हैं।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून पवनों द्वारा यहाँ भारी वर्षा प्राप्त होती है अतः यहाँ बहुत अधिक जैव-विविधता पाई जाती है।
- यह विश्व के 36 Hotspots में शामिल है।
- नागा पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी शरामती है।
- मिजो पहाड़ियों को लुशाई पहाड़ियाँ भी कहते हैं
- मिजो पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी ब्लू माउण्टेन है
- बरेल श्रेणी नागा पहाड़ियों एवं मणिपुर पहाड़ियों को अलग करती है।

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का प्रादेशिक विभाजन



- (i) पूर्वी घाट के मैदान
- (ii) पश्चिमी घाट के मैदान
- (iii) उत्तर भारत का मैदान

(i) पूर्वी घाट के मैदान

- आकार में ये उत्तर भारत के मैदान से छोटा तथा पश्चिमी घाट के मैदान से बड़ा है।
- गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदी के पास मैदानों की चौड़ाई अधिक है।
- इनके चौड़ाई उत्तर से दक्षिण की तरफ बढ़ती है। औसत चौड़ाई 100 कि.मी. से 130 कि.मी. तक है।
- पश्चिम बंगाल की हुगली नदी से लेकर तमिलनाडु तक फैला हुआ है।
- ओडिशा से आन्ध्र प्रदेश की तरफ का मैदान उत्कल तट कहलाता है।
- आन्ध्र प्रदेश का तट कलिंग तट कहलाता है। इसी तट को उत्तरी सरकार तट के नाम से भी जाना जाता है।
- आन्ध्र प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक के मैदान को कोरामण्डल तट कहा जाता है।
- भारत की कई प्रमुख नदियों के डेल्टा इसी मैदान में बनते हैं। इन नदियों में मुख्य नदियाँ खालिखित हैं।
 - महानदी
 - गोदावरी
 - कृष्णा
 - कावेरी

(ii) पश्चिमी घाट के मैदान

- दमन से लेकर कन्याकुमारी तक फैला हुआ है।
- पंजाब, हरियाणा के मैदानी भाग में स्थित बाढ़ के मैदानों को बेटल कहा जाता है।
- आकार में पूर्वी तथा उत्तर भारत के मैदानों से छोटा है। इसकी औसत चौड़ाई 50 कि.मी. है।
- गुजरात से गोवा तक के तट को कोंकण तट कहा जाता है। इसमें महाराष्ट्र का पूरा तट आ जाता है।
- गोवा से मंगलौर तक के तट को कन्नड तट कहा जाता है।
- कर्नाटक से केरल तक के तट को मालाबार तट कहा जाता है।

(a). कश्मीर/पंजाब हिमालय

(Kashmir/Punjab Himalaya):-

- कश्मीर/पंजाब हिमालय का यह भाग सिंधु तथा सतलज नदी के बीच स्थित है।
- यह लगभग 560 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- इस भाग में जालंधर, पीठपंजाल श्रेणी एवं जम्मू पहाड़ियाँ स्थित हैं।

(b). कुमाऊँ हिमालय (Kumaon Himalaya):-

- हिमालय का यह भाग सतलज से काली नदी के बीच स्थित है।
- यह 320 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- यह भाग मुख्य रूप से उताराखण्ड में स्थित है।

(c). नेपाल हिमालय (Nepal Himalaya):-

- यह भाग काली तथा तिस्ता नदी के बीच स्थित है।
- यह भाग 800 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- शिक्किम व दार्जिलिंग इसी के अंतर्गत है।

(d). अस्सम हिमालय (Assam Himalaya):-

- यह भाग तिस्ता से दिवांग नदी के बीच स्थित है।
- यह 750 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- यहाँ हिमालय की चौड़ाई सबसे कम हो जाती है जो लगभग 150 किमी. हो जाती है।

2. भारत के मैदान

नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के कारण मैदानों का निर्माण होता है।

भारत के मैदानों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है।

- इसकी चौड़ाई कम होने के कारण यहां पर ढाल अधिक है। जिस कारण से यहां पर नदियों में तीव्र चाल से चलती हैं और झरने बनाती हैं।
- नदियों में गति अधिक होने के कारण नदियां डेल्टा नहीं बना पाती हैं।
- मछली पालन के लिए आदर्श स्थिति बनती है।

(iii) उत्तरी भारत का विशाल मैदान

- भारत के सभी मैदानों में से ये सबसे विशाल है। इसकी औसत चौड़ाई 240 कि.मी. से 320 कि.मी. है।
- इस मैदान की समुद्र तल से ऊँचाई कम होने के कारण यहां पर नदियों की गति काफी धीमी हो जाती है। अतः नदियां अपने साथ लाये हुए अवसाद को यहां जमा कर देती हैं, जो कि इस मैदान की विशालता का प्रमुख कारण है।
- 4 भागों में बाँटा गया है।

भाबर प्रदेश

- शिवालिक हिमालय से 12 कि.मी. तक के क्षेत्र जिसे कंकड़ पत्थर अधिक होते हैं को भाबर प्रदेश कहा जाता है।
- शिवालिक हिमालय के बाद नदियों की गति कम हो जाती है। इसलिए वो अपने साथ लाये अवसाद को यहां जमा कर देती हैं।

तराई प्रदेश

- भाबर के नीचे वाले दलदली क्षेत्र को तराई क्षेत्र कहा जाता है।
- यहां पर जंगल में अजगर, मगरमच्छ आदि के साथ अन्य वन्य जीव भी पाये जाते हैं, अतः कोई जनजाति नहीं रहती।
- वर्तमान में तराई की अधिकांश भूमि को कृषि योग्य बना लिया गया है।

बांगर प्रदेश

- नदी के दूर वाला क्षेत्र जो नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से निर्मित हुआ है, बांगर प्रदेश कहलाता है।
- ये प्रदेश मैदान के ऊँचाई वाले क्षेत्र होते हैं।
- इस प्रदेश में बाढ़ नहीं आती है। जिस कारण यहां की मिट्टी का नवीकरणीय नहीं हो पाता है।
- इस प्रदेश में पुरानी जलोढ़ मृदा पायी जाती है।

- गंगा-यमुना दोआब के ऊपरी भाग में यह भूड निकोपों के रूप में मिलता है।

खादर प्रदेश

- नदी के पास वाला क्षेत्र जहां पर बाढ़ आती रहती है, खादर क्षेत्र कहलाता है। लगभग हर वर्ष बाढ़ आने के कारण यहां की मृदा का नवीकरणीय होता रहता है। इसी कारण ये प्रदेश उपजाऊ बना रहता है।
- इसकी ऊँचाई बांगर प्रदेश से कम होती है।
- इसका निर्माण नई जलोढ़ मृदा से हुआ है।

डेल्टा

- डेल्टाई मैदान मुख्यतः किचड तथा दलदली युक्त होता है। इसमें उच्च भूमियाँ चार तथा दलदली भूमियाँ बिल कहलाती हैं।

3. भारत के पठार

भारत के पठार गोंडवाना लैंड के भाग हैं। इसकी आकृति त्रिभुजाकार है। यह राजस्थान से कन्याकुमारी तक (1700 किमी.) तथा गुजरात से पश्चिम बंगाल (1400 किमी.) तक 16 लाख वर्ग किमी. तक विस्तृत है।

(i) मालवा का पठार

तीन राज्यों में फैला हुआ है।

यह मध्यप्रदेश गुजरात, राजस्थान, राज्य में स्थित है। यह ज्वालामुखी की चट्टानों से बना है। इसमें चंबल, बेतवा नदी निकलती है। इसकी सीमाओं का निर्धारण उत्तर में अरावली, दक्षिण में विन्ध्याचल पर्वत एवं पूर्व में बुन्देलखण्ड द्वारा होता है। इस पठार के उत्तर में चम्बल नदी अवनालिका अपरदन करती है।

- गुजरात
- मध्य प्रदेश
- राजस्थान
- निर्माण ग्रेनाइट से हुआ है।
- काली मिट्टी से ढका हुआ है।
- ऊँचाई 500-610 मी. है।
- इसे लावा निर्मित पठार भी कहा जाता है।
- इसमें कुछ लावा द्वारा बनी पहाडियां भी हैं।
- यमुना की सहायक चंबल नदी ने इसके मध्य भाग को प्रभावित किया है।
- पश्चिमी भाग को माही नदी ने प्रभावित किया है। माही नदी अरब सागर में जाकर गिरती है।

- पूर्वी भाग को बेतवा नदी ने प्रभावित किया है।
- मालवा का पठार क्षरावली पर्वत व विन्ध्याचल पर्वत के बीच में है।

(ii) बुन्देलखण्ड का पठार

- मालवा पठार के उत्तरी भाग को बुन्देलखण्ड एवं उत्तरी-पूर्वी भाग को बघेलखण्ड कहा जाता है। बुन्देलखण्ड पठार ग्रेनाइट एवं नीस की चट्टानों से निर्मित है।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच में फैला हुआ है।
- इसके निर्माण में नीस और ग्रेनाइट से हुआ है।
- इसका ढाल दक्षिण से उत्तर और उत्तर पूर्व की तरफ है।
- यहां कम गुणवत्ता का लौह अयस्क प्राप्त होता है।

(iii) छोटा नागपुर का पठार

- इस पठार की प्रमुख नदियाँ- महानदी, स्वर्ण रेखा, सोन, दामोदर हैं।
- इस पठार में मुख्य खनिज - लोहा, मोजका, अभ्रक, तांबा, यूरेनियम एवं टंगस्टन आदि हैं।
- छोटा नागपुर के पठार का महाराष्ट्र के नागपुर जिले से कोई सम्बन्ध नहीं है। इसका नाम पुराने राजा के नाम पर पड़ा है।
- ये पठार झारखंड में फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल 65000 वर्ग किमी. है।
- रांची का पठार, हजारी बाग का पठार, कोडरमा का पठार सब इसी के अंदर आते हैं।
- इस पठार की औसत ऊँचाई 700 मी है।
- भारत का रूर भी कहा जाता है।

(iv) शिलांग का पठार

- यह पठार भारत का बहिर्शीपी है। यह अंशान के कारण भारतीय प्रायद्वीप से मालदा गैप द्वारा पृथक कि गई है।
- शिलांग शिखर की ऊँचाई 1961 मी. है।
- गोरा, खासी और जयन्ती पहाड़ियां इसी के अंदर आती हैं।
- इस पठार में कोयला और लौह अयस्क, और चूना पत्थर के भंडार उपलब्ध हैं।

(v) दक्कन का पठार

- पूर्वी तथा पश्चिमी घाटों, रतपुडा, मैकाले तथा राजमहल कि पहाड़ियों के बीच 7 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है।
- भारत का विशालतम पठार है।
- दक्षिण के आठ राज्यों में फैला हुआ है।
- इस पठार का आकार त्रिभुजाकार है। रतपुडा और विन्ध्याचल श्रृंखला इसकी उत्तरी सीमा है तथा पूर्व और पश्चिम में पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित है।
- इसकी औसत ऊँचाई 600 मी. है।

- इस पठार को पुनः तीन भागों में बाँटा जाता है-
 - महाराष्ट्र का पठार- इसमें काली मृदा की शार्कियन पायी जाती है।
 - आंध्रप्रदेश का पठार- इसे पुनः दो भागों में विभक्त किया गया है।
 - तेलंगाना का पठार- इस पठार के लावा द्वारा निर्मित होने के कारण इसे लावा पठार के नाम से भी जाना जाता है।
 - रायलसीमा का पठार- इसमें शार्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।
 - कर्नाटक का पठार- इसमें धात्विक खनिज तथा शार्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।

1. द्विपीय समूह प्रदेश

- भारत के दक्षिण तट के नजदीक अण्डमान-निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह पाये जाते हैं, जो कि मिलकर द्विपीय समूह प्रदेश का निर्माण करते हैं।
- भारत के पास कुल 1208 द्वीप समूह हैं। ये संख्या सभी छोटे-छोटे द्वीपों को मिलाकर है।
- अण्डमान निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा द्वीप समूह है।
- लक्षद्वीप सबसे छोटा द्वीप समूह है।

(a). अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह :-

अण्डमान

- बंगाल की खाड़ी में स्थित 572 द्वीपों का समूह।
- इन द्वीपों को अराकन योमा पर्वत श्रेणी का विस्तार ही माना जाता है।

निकोबार

- 10° चैनल अण्डमान को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है।
- 'मध्य अण्डमान द्वीप' अण्डमान-निकोबार का सबसे बड़ा द्वीप है।
- अण्डमान-निकोबार की राजधानी 'पोर्टब्लेयर' दक्षिण अण्डमान द्वीप में स्थित है।
- अण्डमान-निकोबार की सबसे ऊँची चोटी 'सैडल चोटी' उत्तरी अण्डमान द्वीप पर स्थित है।
- 'डंकन पेलेज' दक्षिण अण्डमान को लघु अण्डमान से अलग करता है।
- 'बेस्न द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप है। जो अण्डमान में स्थित है।
- 'नारकोण्डम द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सुषुप्त ज्वालामुखी द्वीप है।

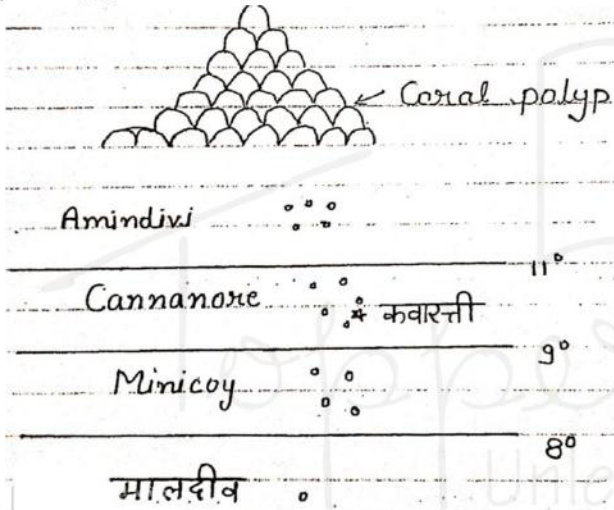
- 'ग्रेट निकोबार' निकोबार द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है तथा 'इन्दिरा प्वाइंट' इसी द्वीप का दक्षिणतम बिन्दु है।

निकोबार द्वीप समूह

लिटिल ब्रंडमान के नीचे "10° चैनल" पड़ता है और उसके बाद निकोबार द्वीप समूह शुरू हो जाता है

- निकोबार द्वीप समूह तीन भागों में बटा है
 - कार निकोबार
 - लिटिल निकोबार (बीच में)
 - ग्रेटनिकोबार
- निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी बिन्दु जो कि भारत का भी दक्षिणी बिन्दु है ग्रेट निकोबार पर पड़ता है। इसी "इन्दिरा प्वाइंट" "पिंग मेलियन प्वाइंट" के नाम से जाना जाता है।

(b). लक्षद्वीप



भारत के द्वीप

भारत में लगभग 1382 द्वीप हैं।

- (1) पश्चिमी द्वीप - (i) पीरम, भैरला - काठियावाड
(ii) खडिया बेट, नर्मदा, ताप्ती के मुहाने पर
(iii) एलीफैंटा, बुचर-महानदी के मुहाने पर

- 'अरब सागर' में स्थित 36 द्वीपों का समूह।
- यह कोरल द्वीपों का उदाहरण है।
- लक्षद्वीप को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-
- 11°N अक्षांश के उत्तर में स्थित द्वीप 'अमीनदीवी द्वीप' कहलाते हैं।
- 11°N तथा 9°N अक्षांश के मध्य स्थित द्वीप 'कोनोन्नोर द्वीप' कहलाते हैं।

- 9°N अक्षांश के दक्षिण में 'मिनिकोय द्वीप' स्थित है
- 8°N चैनल भारत को मालदीव से अलग करता है।
- लक्षद्वीप समूह अरब सागर में है।
- लक्षद्वीप एक केन्द्र शासित प्रदेश है। सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। क्षेत्रफल मात्र 32 वर्ग किमी है।
- लक्षद्वीप की राजधानी कवरत्ती है।
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप मिनिकाय द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4.83 वर्ग किमी है।
- लक्षद्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप अन्नोट द्वीप सबसे बड़ा द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4.98 वर्ग किमी है।

अन्य महत्वपूर्ण द्वीप

- न्यू मूर द्वीप एवं गंगा सागर द्वीप बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के तट के पास है।
- ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप या अब्दुल कलाम द्वीप है जो कि ब्राह्मणी नदी के मुहाने पर बना है। यहां मिशाइलों का परीक्षण किया जाता है।
- आंध्र प्रदेश के तट पर श्रीहरिकोटा द्वीप है। यहां पर रतीश धवन स्पेस रिसर्च सेंटर स्थित है। रतीश धवन 2002 में इसी के अध्यक्ष रहे थे।
- पम्बन द्वीप रामेश्वरम द्वीप तमिलनाडु के तट पर है। रामेश्वरम मंदिर यही पर है।
- पम्बन द्वीप के सबसे दक्षिणी भाग को धनुषकोडी कहा जाता है। इसके बाद राम सैतु शुरू हो जाता है।
- श्रीलंका एवं भारत के बीच में मन्नार की खाड़ी है।
- गुजरात में नर्मदा नदी के मुहाने पर खंभात की खाड़ी में आलिया बेट द्वीप है। एलीफैंटा की गुफाएं इसी द्वीप में स्थित हैं।